भारत में राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस हर साल 1 अक्टूबर को व्यक्ति के जीवन में रक्त की आवश्यकता और महत्व को साझा करने के लिये मनाया जाता है। ये पहली बार साल 1975 में 1 अक्टूबर को इंडियन सोसायटी ऑफ ब्लड ट्रॉसफ्यूजन एण्ड इम्यूनोहैमेटोलॉजी द्वारा मनाया गया। इस साल राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस मंगलवार 1 अक्टूबर को मनाया जाएगा। रक्त की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए सक्रिय रक्तदाताओं की कमी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने वर्ष २०२०-२० तक १००% स्वैच्छिक गैर-पारिश्रमिक दाता रक्त आपूर्ति के उद्देश्य से एक नीति अपनाई है । इसी नीति पर चलते हुवे भारत में भी स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा दिया जा रहा है क्यूंकि स्वैच्छिक रक्तदान से प्राप्त रक्त ही सर्वोत्तम माना गया है।

यह बातें राष्ट्रिय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर गुरु श्री गोरक्षनाथ ब्लड बैंक प्रभारी डा0 अवधेश अग्रवाल ने बताया

डा0 अग्रवाल ने आगे बताया कि स्वैच्छिक रक्तदान दिवस कुछ उद्देश्यों की पूर्ति हेतु मनाया जाता है–

1.स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व के बारे में आम लोगों को जागरूक करना।

2.रक्तदान के विषय में जनमानस के दृष्टिकोण को बदलने के लिए ।

3.स्वैच्छिक रक्तदान के माध्यम से रक्त दाताओं के आत्म सम्मान को बढ़ावा देने और प्रशंसा करने के लिए।

4. मरीजों की तत्काल आवश्यकता को पूरा करने के लिए स्वैच्छिक रक्तदान के लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त करना।

5.स्वैच्छिक रूप से रक्त दान करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए जो केवल अपने रिश्तेदारों या दोस्तों को रक्त दान करने में रुचि रखते हैं।

6.किसी भी जरूरी और गंभीर आवश्यकता के लिए ब्लड बैंकों में स्टॉक में रक्त को स्टोर करने के लिए।

7.उन लोगों को प्रेरित करने और प्रोत्साहित करने के लिए जो स्वस्थ व्यक्ति होने के बावजूद रक्त दान करने में रुचि नहीं रखते हैं।

गोरखनाथ ब्लड बैंक में स्वरक्तदाताओं द्वारा इस पावन दिवस पर जो रक्तदान किया गया वह बहुमूल्य रोगियों के जीवन की सुरक्षा करेगा, जितने भी स्वरक्तदाताओं ने रक्तदान किया उन्हे ब्लड बैंक द्वारा प्रशस्ति पत्र, प्रतिकात्मक भेंट आभार व्यक्त करते हुए उन्हे दिर्घायु होने की शुभकामनाऐं दी गयीं। लगभग 50 रक्तदाताओं ने इस महान पर्व पर ब्लड बैंक में रक्तदान कर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम के अन्त में जलपान की व्यवस्था की गयी थी। इस अवसर पर चिकित्सालय के निदेशक ब्रि0 डा0 के0 पी0 बी0 सिहं, अपर निदेशक डा0 कामेश्वर सिहं, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 घनश्याम सिहं, चिकित्साधिक्षक डा0 सी0 एम0 सिन्हा, श्री अमित मिश्रा, श्री राजीव तिवारी, श्री गिरीश पाठक, श्री चंद्रेश्वर यादव, श्री राजेश मिश्रा सहित चिकित्सालय के चिकित्सक गण तथा नगर के

भारी संख्या में गणमान्य व्यक्ति पत्रकार बंधु तथा आमजन उपस्थित थे।

डा0 अवधेश अग्रवाल

उप मुख्य चिकित्साधिकारी एवं ब्लड बैंक प्रभारी

गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ

गोरखपुर